Mahila College ... (Purnia)
Deptt of Psychology / B.A. II (Hons)
Dr. Kumari ...

शोध समस्या के उद्भव के स्रोत

Sources or Origins of Research problem:

एक वैज्ञानिक समस्या का प्रतिपादन निश्चित रूप से किसी भी शोधकर्ता के लिए एक कठिन कार्य होता है। फिर भी वह अपने इस कठिन कार्य को आसान बनाने के लिए कुछ ऐसे स्रोतों (sources) का सहारा लेता है जिनसे उसे शोध समस्या का प्रतिपादन करना काफी आसान हो जाता है। ऐसे स्रोतों में निम्नांकित स्रोतें काफी प्रमुख है —

(1) शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों द्वारा अनुभव की गई प्रमुख समस्याओं का अध्ययन कर शोधकर्ता एक प्रमुख शोध समस्या (Research problem) का प्रतिपादन (Formulation) कर सकता है। उदाहरणस्वरूप, आजकल छात्र उपद्रव एक महत्वपूर्ण समस्या है जिससे स्कूल तथा कॉलेज के शिक्षक और यहाँ तक कि अभिभावक गण भी काफी परेशान है। अतः यह विषय शोध का एक महत्वपूर्ण अंग बन सकता है। एक शोधकर्ता इससे कई तरह की शोध समस्या का सूत्रीकरण कर सकता है। जैसे — उपद्रव में किस तरह के छात्र अधिक हिस्सा लेते है? उनका व्यक्तित्व शीलगुण कौन-कौन सा होता है। किस उम्र समूह में उपद्रव (unrest) अधिक होता है, आदि, आदि।

(2) सफल शोधकर्ता एवं वैज्ञानिक, शोध समस्या का प्रतिपादन करने के लिए पाठ्य-पुस्तक, शोध जर्नल आदि सावधानी पूर्वक पढ़ता है। बहुत से प्रकाशित शोध-पत्र ऐसे होते है जिनमें लेखक सम्भावित शोध-समस्या की ओर संकेत करता है। शोध की नई समस्या की झलक तो मिलती है साथ ही साथ उनको सुलझाने में शोधकर्ता को विशेष सहायता मिलती है

(3) शोधकर्ता किसी वैज्ञानिक शोध समस्या का प्रतिपादन करने के लिए शोध-प्रोफेसर (Research professors) विशेषज्ञ (Experts) आदि से भी सलाह करते हैं।

(4) समाज में होनेवाले नये-नये परिवर्तनों तथा शैक्षिक नवीनता से भी शोधकर्ता को कुछ शोध समस्याएँ मिल जाती है।

(5) शोध समस्या की उत्पत्ति परस्पर विरोधी शोध उपलब्धियों की परिस्थिति से भी होती पायी जाती है। कभी-कभी ऐसा होता है कि एक शोध समस्या पर किये गए दो या दो से अधिक पृथक-पृथक शोधों के परिणाम एक दूसरे से भिन्न एवं विपरीत हो जाते हैं। टॉलमैन (Tolman) तथा उनके अनेकों सहयोगियों ने अपने प्रयोगों के आधार पर बतलाया कि सीखने के लिए पुनर्बलन की आवश्यकता नहीं होती है। अनेकों मनोवैज्ञानिकों ने सच्चाई जानने के लिए शोध किये हैं जिनका मनोविज्ञान का इतिहास साक्षी है।

बेस्ट एवं काह्न (Best and Kahn 1992) ने शोध समस्या की उत्पत्ति के साठ स्रोतों (sources) का वर्णन किया है। इसमें कुछ प्रमुख निम्नांकित हैं :—

(1) कार्यक्रमित निर्देश (Programmed instruction)
(2) टेलीविजन निर्देश (
(3) टीम प्रशिक्षण
(4) घरेलू नीतियाँ एवं अभ्यास
(5) पाठ्येतर कार्यक्रम
(6) खुला वर्ग
(7) पाठ्य पुस्तक
(8) स्वतंत्र अध्ययन कार्यक्रम

— X —

(9) मौन शिक्षा

(10) निर्देशन शिक्षा

(11) केस अध्ययन

(12) सामाजिक-आर्थिक अध्ययन एवं शैक्षिक उपलब्धि

(13) दबाव एवं उपलब्धि

(14) प्रशासनिक नेतृत्व

(15) आत्म-प्रतिभा

(16) छात्रों का व्यवसायिक उद्देश्य

उपर्युक्त कुछ ऐसे सामान्य स्रोतों का वर्णन किया गया है जिसमें शोध समस्याओं को ढूँढा जा सकता है।

यंग (Young 1992) ने शोध-समस्या की उत्पत्ति के निम्नांकित तीन स्रोतों को महत्वपूर्ण बताया है —

(1) प्रलेखी स्रोत (Documentary source) — इस स्रोत में पदीय (official) एवं निरीक्षण, एवं विश्लेषण, स्थानीय समाचार-पत्रों तथा जनगणना प्रकाशनों जहाँ से वर्णनात्मक सामग्रियाँ आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

(2) वैयक्तिक स्रोत (personal source)-इस स्रोत में पेशेवरों से बातचीत कर समस्या ढूंढने की कोशिश की जाती है जिन्हें वांछित आंकड़ा के बारे में सही-सही ज्ञान होता है।

(3) पुस्तकालय स्रोत (Library source) — इस स्रोत में विभिन्न तरह के पाठ्य-पुस्तकों, जरनलों, मोनोग्राफों एवं समाचार। विश्लेषण आदि को रखा जाता है। ताकि इन स्रोतों से सैद्धान्तिक-एवं व्यवहारिक दोनों तरह का ज्ञान-संग्रह किए जाते हैं जिनके आधार पर शोध समस्या के बारे में निर्णय किए जाते हैं। स्पष्ट हुआ कि शोध समस्या कि उत्पत्ति के एक नहीं बल्कि कई स्रोत हैं जिनके माध्यम से शोधकर्ता एक वैज्ञानिक शोध-समस्या का सृजन करता है।

X ———— X ————